बिना आध्यात्मिक मूल्य के क्वालिटी लीडरशीप की कल्पना करना असम्भव

गुरुग्राम-हरियाणा। ब्रह्माकुमारीज़ के ओमशांति रिट्रीट सेंटर में महिला दिवस के उपलक्ष्य में नेतृत्व कला के विकास पर एक संवाद का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका पर विशेष चर्चा हुई। राजयोगिनी ब्र.कु. दीप्ति दीदी,साउथ अफ्रीका ने कहा कि महिला दिवस मनाने का लक्ष्य मातृत्व गुणों को जगाना है। नारी, शक्ति का सूचक मानी जाती है। महिलाएं जितनी सशक्त होंगी उतना ही परिवार सशक्त होगा। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक शक्ति इसका सहज माध्यम है। आध्यात्मिकता कोई अलग नहीं है। हम स्वयं ही एक आध्यात्मिक शक्ति हैं। स्वयं को समझना ही आध्यात्मिकता है। आत्मा की शुद्धता ही आध्यात्मिक मूल्यों का संचार करती है। आध्यात्मिक मूल्य ही लीडरशिप क्वालिटी को जन्म देते हैं। आध्यात्मिकता वह ऊर्जा है जिससे परिवर्तन शक्ति सहज ही आती है। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्र.कु लुसियाना,ब्राजिल ने कहा कि महिलाएं कमज़ोर नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सदा ये समझें कि मैं कमज़ोर नहीं हूँ बल्कि एक दिव्य शक्ति मुझे गाइड कर रही है। एक अच्छा लीडर वही है जो सही समय पर सही निर्णय लेता है। उन्होंने कहा कि जब हम सकारात्मक ऊर्जा से पूर्ण होते हैं, तभी एक बेहतर निर्णय ले सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मानव अधिकारों के लिए कार्य करने वाली सुप्रसिद्ध समाजसेविका श्वेता राय तलवार ने कहा कि जीवन में संस्कारों का बहुत बड़ा महत्व है। संस्कार मूलतः मात-पिता एवं शिक्षकों से मिलते हैं। उन्होंने आगे कहा कि कोई भी कार्य करने से पहले स्व-चिंतन ज़रूरी है। स्व-चिंतन हमें स्वयं की क्षमताओं से परिचित कराता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए ब्र.कु. हुसैन ने कहा कि जीवन में गुणों की धारणा से ही हमारे मन-वचन-कर्म में एकता आती है। नेतृत्व कला हमारे भीतर स्वाभाविक रूप से छिपी हुई है। उन्होंने कहा कि लीडरशीप कोई स्टेट्स नहीं बल्कि एक गुण है। आप कहीं भी हो अपने गुणों से नेतृत्व कर सकते हैं। कार्यक्रम में समाज सेवा के विभिन्न क्षेत्रों की 40 मुख्य संगठन से जुड़ी प्रबुद्ध महिलाओं ने शिरकत की व ऐसे कार्यक्रम करने की मंशा जताई।

'खुशियां आपके द्वार' में खुशियां लुटाई अपार

हांसी-हरियाणा। महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में ब्रह्माकुमारीज़ के हांसी स्थित शांति सरोवर सभागार में 5 दिवसीय 'खुशियां आपके द्वार' महोत्सव का शुभारम्भ हुआ। शहर के आस-पास के हज़ारों भाई-बहनों ने इसमें हिस्सा लिया। एसडीएम राजेश कोथ ने शांति सरोवर की विशेषता का वर्णन करते हुए कहा कि यहाँ शांति और शक्ति की जो पॉज़िटिव एनर्जी है वो उन्होंने और किसी सभागार में अनुभव नहीं की। उन्होंने सभी से निवेदन किया कि आज जो इन्सान मानसिक सुख-शांति का प्यासा है तो उसे ब्रह्माकुमारीज़ आश्रम में लाकर आंतरिक सुख-शान्ति की प्यास बुझाना ही सच्चा पुण्य है और यही सार्थक जीवन है।

सारी भागदौड़ है खुशी के लिए

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी,माउंट आबू ने कहा कि सारी भागदौड़ खुशी के लिए है लेकिन यह खुशी है कहाँ, मनुष्य समझ ही नहीं पा रहा है। साधन तन को खुशी दे सकते हैं लेकिन मन की खुशी व शान्ति चाहिए तो उसके लिए आध्यात्मिक ज्ञान के साथ निरंतर अभ्यास करने की ज़रूरत है।

प्रतिदिन मेडिटेशन करो जीवन श्रेष्ठ बनाओ

सोनीपत रिट्रीट सेंटर एवं हांसी सबज़ोन की डायरेक्टर ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी ने कहा कि जो व्यक्ति प्रतिदिन मेडिटेशन का अभ्यास करता है वो समाज की कुरीतियों से बचा रहता है। अपने जीवन को जितना चाहे श्रेष्ठ बना सकता है। हांसी के विधायक विनोद भ्याणा ने कहा कि यह हांसी शहर का सौभाग्य है कि ऐसी महान संस्था का सेवाकेन्द्र हमारे शहर में मौजूद है, जो निःस्वार्थ भाव से दिन-रात मानव के अन्दर सद्गुणों का विकास कर देवतुल्य बनाने की सेवा के लिए तत्पर है। कार्यक्रम का शुभारम्भ ब्र.कु. युगरतन के गीतों द्वारा हुआ। कु. जोआ ने शिव आराधना पर सुन्दर नृत्य प्रस्तुत किया।

'दिव्य प्रकाश सरोवर' अमृत महोत्सव में पहुंचे हज़ारों लोग

जलगांव-महा.। राजयोगिनी ब्र.कु. मीरा दीदी के अमृत महोत्सव व सेवाओं की गोल्डन जुबली के निमित्त दिव्य प्रकाश सरोवर में विशाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें जलगांव क्षेत्र के सर्व ब्राह्मण कुल भूषण भाई-बहनें व शहर के प्रबुद्ध नागरिक सहित हज़ारों की संख्या में उपस्थित रहे। नव-निर्मित दिव्य प्रकाश सरोवर में ब्रह्माकुमारीज़ माउंट आबू से राजयोगी ब्र.कु गंगाधर,सम्पादक ओमशान्ति मीडिया ने कहा कि यह अमृत महोत्सव व ईश्वरीय जीवन की सेवाओं की गोल्डन जुबली अनूठा संगम है। उन्होंने कहा कि राजयोगिनी ब्र.कु. मीरा दीदी ने बचपन से ही इस क्षेत्र में ईश्वरीय सेवाएं की हैं जिसका परिणाम हम-आप सभी उनके अमृत महोत्सव में देख रहे हैं। इस लंबे ईश्वरीय जीवनकाल में कई पड़ाव, कई कठिनाईयां आईं किन्तु मीरा दीदी परमात्मा के साथ का हाथ थामे हुए सहजता से आगे बढ़ती गईं। वास्तव में यूं कहें कि हमारे सामने एक उदाहरण के रूप में प्रत्यक्ष हैं। इस अवसर पर जलगांव की माननीय सांसद श्रीमती स्मिता उदय वाघ ने कहा कि राजयोगिनी ब्र.कु. मीरा दीदी को मैं बचपन से जानती हूँ। वें सरल, सादगी और परमात्मा की सच्ची मीरा हैं। मैं अपने आपको यहाँ इस सुंदर कार्यक्रम के मध्य पाकर सौभाग्यशाली महसूस करती हूँ। मैंने ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान को बहुत ही नज़दीक से देखा है वे मानव मात्र में आध्यात्मिक सेवा कर उनके जीवन को श्रेष्ठ बनाने की दिशा में दिन-रात कार्य

कर रही हैं। मुझे जब भी अवसर मिलता है तो मन की शान्ति के लिए राजयोग सेंटर पर चली जाती हूँ जहाँ इन्हों से मिलना तो होता ही है और जैसे ही बाबा के कमरे में बैठती हूँ तो मन को सुकून मिलता है और मैं रिलेक्स हो जाती हूँ। क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. मीनाक्षी दीदी ने भी राजयोगिनी मीरा दीदी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में बड़े भाव पूर्वक अधिक आयुष्य के लिए मनोगत व्यक्त किया। राजयोगिनी ब्र.कु. मीरा दीदी ने कहा कि मैं जो कुछ भी हूँ ये बाबा की वजह से हूँ। बाबा ने हर पल मुझे साथ दिया और आगे बढ़ाया। ब्र.कु. धीरज सोनी,प्रसिद्ध आर्किटेक्ट एवं बिज़नेसमैन ने कहा कि दिव्य प्रकाश सरोवर का निर्माण करने का सौभाग्य मिला जिससे मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। ब्र.कु. ईश्वर, ब्र.कु. सुरेश व ब्र.कु. मिलन ने भी अपनी शुभकामनाएं दी।

स्व-स्थिति से किसी भी परिस्थिति पर विजय पा सकतेः ब्र.कु. शिवानी

वराछा-सूरत(गुज.)। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित कार्यक्रम में इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि भगवान भाग्य विधाता है, भाग्य बनाने का विधान बताता है और कलम आपके ही हाथ में देता है। वह विधान ध्यान में रखकर आप अपने भाग्य की लकीर जितनी चाहो उतनी लंबी खींच सकते हो। उन्होंने आगे कहा कि आज हर व्यक्ति मांगने वाला बन गया है जबकि हम सब दाता के बच्चे हैं। हर घर में सिर्फ एक देने वाली आत्मा रहेगी, संभालने वाली आत्मा रहेगी तो यह दुनिया स्वर्ग बनने में देरी नहीं होगी। वह घर की एक आत्मा अपने को परमात्मा से जोड़ के रखने वाली होगी, एकरस होगी तो वह घर का शक्ति स्तंभ बनेगा। कोई भी बात अचानक आती है, जैसे कि कोविड आया और सब कुछ हिल गया। बाह्य दुनिया में कुछ भी हो लेकिन आत्मिक स्वरूप में परमात्मा से हम एकरस हो तो कितनी भी बड़ी परिस्थिति होगी तो भी आपके ऊपर उसका असर नहीं आएगा। इसके लिए युक्ति बताते हुए ब्र.कु. शिवानी ने कहा समझो चार लोग रास्ते से जा रहे हैं और एक गड्ढे में गिरा तो उसको बाकी तीन निकालेंगे या वह भी उसमें गिर जायेंगे? उठायेंगे ना? वैसे हम पर भी कोई शोर करता है, क्रोध करता है तो वही नहीं करना है, वापिस हमें उसको शांति देनी है। चुप रहकर मन से उसे दुआएं देनी हैं। कोई कड़वा बोलता है, निंदा करता है तो उससे मधुर बोलना है। दूसरा दुःख में है तो उसे शांति और शक्ति देना यह मेरी ज़िम्मेवारी है। आप सकारात्मक सोच से सब बातें करते जाएंगे तो नकारात्मक सोच वाला भी एक दिन आपके जैसा ही हो जाएगा। इस दुनिया में आप जैसा बॉल फेकेंगे वैसा ही वापिस आएगा। इसलिए कोई आपकी तरफ काला बॉल फेंकता है तो आपको सफेद बॉल फेंकना है, तो आपका भाग्य बढ़ेगा और आपको देख दूसरे का भाग्य बदलेगा। कारण वह काला बॉल फेंकना बंद करेगा। दूसरों को देख के नहीं, जो सही है वही मुझे करना है। परिस्थिति पर -स्थिति है और आपकी मन की स्थिति स्व-स्थिति है। स्व-स्थिति से किसी भी परिस्थिति पर विजय पा सकते हैं और परमात्मा की याद से स्व-स्थिति जितनी चाहो मजबूत बना सकते हैं। कार्यक्रम में नड़ियाद उपक्षेत्रीय संचालिका ब्र.कु. पूर्णिमा दीदी,स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तृप्ति दीदी भी मौजूद रहीं।

5 बातें याद रखने से कोई भी परिस्थिति हावी नहीं होगी

- हर बात में कल्याण समाया हुआ है
- सर्वशक्तिमान परमात्मा मेरे साथ हैं
- मेरे श्रेष्ठ कर्मों की दुआएं मेरे साथ हैं
- मेरा तन व मन सदा स्वस्थ है
- जो मेरे मन में बात है वह हुई पड़ी है

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/24-26, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2024-26, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd April, 2025
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org